वी.यू. अंर्तगत किसानों के सशक्तिकरण के लिये फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत अंगीकृत ग्रामों में मत्स्य बीजों का वितरण कार्यक्रम

जबलपुर। दिनाँकः 11.09.2020 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, अधारताल, जबलपुर के माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी के मार्गदर्शन व अभिप्रेरणा से मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये मत्स्य पालन प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना अंर्तगत कार्यशाला (नाहेप) एवं मत्स्य बीज वितरण कार्यक्रम सांकेतिक रूप में आयोजित किया गया। जिसमें 12 किसानों को उन्नत किस्म के रोहू, कतला, मृगल मत्स्य बीजों का फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंर्तगत अंगीकृत 06 गाँव में वितरण समन्वित कृषि के अंर्तगत किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से प्रर्दशन के लिये दिये गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मत्स्य पालन प्रक्षेत्र प्रमुख, डॉ. एस.के महाजन ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में महाकौशल अंचल में मछली पालन की अपार संभवनाओं के साथ किसानों व मत्स्यपालकों की आय में वृद्धि दुगुनी होने की क्षमता को देखते हुए तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वप्न एवं लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को साकार रूप प्रदान करने हेतु आयोजन किया गया है।

इस पूर्ण कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के फार्मर फर्स्ट परियोजना के डॉ. ए.के. गौर, प्रमुख अन्वेषक, डॉ. सोना दुबे, नोडल अधिकारी, श्री विजय चौकसे एवं आशीष यादव, क्षेत्र सहायक, श्री शिवम पाण्डेय, श्री प्रतीक तिवारी का विशिष्ट योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रर्दशन श्री देवेश उपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)